(c) whether Government are aware of any such group which has entered into Indian territory so far; and

(d) if not, what preventive pre-emptive steps have been taken to thwart the entry of militants in the country?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): (a) to (d) Certain reports indicating such activities have been received. However, Govt, is fully alive to the situation and is keeping a close watch. All necessary steps, including gearing up of intelligence and sharing of information about the movements of militant groups, are being taken. The concerned State Governments have been duly sensitised to counter possible designs of militants and maintain a hightened degree of alertness,

सड़क, जहाजरानी और बन्दरगाहों के रख-रखाव हेतु परियोजनाएं

153. **श्री राम जेठमलानी** :

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या यह सच हैं कि देश में सड़े, जहाजरानी तथा बन्दरगाहों के रख-रखाव को बेहतर बनाने संबंधी अनेक परियोजनाओं सरकार द्वारा निर्माणाधीन हैं;

(ख)यदि हां, तो अप्रैल, 1995 की स्थिति के अनुसार तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ग)सड़क, जल-मार्गों और बन्दरगाहों से संबंधित उन परियोजनाओं की अलग-अलग संख्या कितनी हैं जो निजी क्षेत्र द्वारा निर्माणधीन हैं, और

(घ)उपरोक्त परियोजनाओं में से कितनी परियोजनाएं अपने पूर्व-निर्धारितए समय से पीछे चल रही हैं और सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्र की इन परियोजनाओं की अलग-अलग संख्या कितनी हैं, तथा निर्माण में देरी होने के कारण परियोजनाओं की निर्माण लागत में कम से कम और अधिक से अधिक कितने-कितने प्रतिशत वृद्धि हुई हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) जी, हां।

(ख)सरकार सड़क क्षेत्र में 17 बड़ी परियोजनाओं,पत्तन क्षेत्र में 15 परियोजनाओं और अन्तर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र में 3 बड़ी परियोजनाओं को निर्माण कर रही हैं।

(ग)पत्तन क्षेत्र में 12 परियोजनाओं , भूमि तथा तटीय क्षेत्र सहायक सुविधाओं के विकास के लिए निजी उद्यमियों को पट्टे पर दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर कोई परियोजना जिजी क्षेत्र के निर्माणधीन नहीं हैं।

(घ) उक्त (ख) में उत्तर उत्तर उत्तर उत्तर उत्तर उत्तर उत्तर उत्तर उत्तर उल्लिखित 35 परियोजनाओं में से सड़क क्षेत्र में 12 परियोजनाएं और सार्वजनिक क्षेत्र में पत्तन क्षेत्र की 5 परियोजनाएं अपनी पूरा होने की मूल लक्षित तारीख से पिछड़ रही हैं। इनके पूरा होने में विलम्ब होने के कारण इन परियोजनाओं के निर्माण की लागत में वृद्धि का प्रतिशत 16% से 145% के बीच हैं।

दिल्ली परिवहन निगम (डी0 टी0 सी0) की बसों को लाया जाना

*154. **श्री दिग्विजय सिंह**:

श्री सत्य प्रकारश मालवीय :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)जून, 1995 तक दिल्ली परिवहन निगम की कितनी बसें सड़कों पर चल रही थीं तथा कितनी बसें मामूली और बड़ी खराबियों के कारण नहीं चल रही थीं;

(ख)क्या सरकार इन सभी बसों को उपुनः सड़क पर उतारने/चालू करने के लिए निगम को धन उपलब्ध कराने का विचार रखती हैं;

(ग)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं और कितने समय में कितनी बसें मरम्मत के पश्चात् सड़कों पर पुनः चलने लगेंगी; और

(घ) क्या सरकार निगम को धनराशि उपलबध करानेके आवा यह सुनिश्चित करेगी कि यह धन केवल उरोक्त मरम्म्त कार्य पर ही खर्च हो?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) दिनांक 30.6.95 की स्थिति के अनुसार दि0प0नि0 के पास 3481 बसों का बेडद्यज्ञ था। इन 3481 बसों में से 1391 बसें प्रचालन कर रहीं थीं।